



क्रीसलैण्ड के सरकारी विद्यालयों में अंग्रेजी भाषा के लिए सहायता के बारे में जानकारी

अंग्रेजी एक अतिरिक्त भाषा या उपभाषा के रूप में (ईएएल/डी), जिसे पहले अंग्रेजी एक द्वितीय भाषा के रूप में (ईएसएल) के नाम से जाना जाता था, शिक्षण का एक ऐसा विशेषज्ञता वाला क्षेत्र है जिसमें उन विद्यार्थियों को अंग्रेजी की शिक्षा दी जाती है जो ऑस्ट्रेलिया की सामान्य अंग्रेजी को अपनी प्रथम भाषा के रूप में नहीं बोलते हैं।

क्रीसलैण्ड में ईएएल/डी के विद्यार्थी

ईएएल/डी के विद्यार्थी अंग्रेजी के अलावा कोई अन्य भाषा या उपभाषा बोलते हैं और अपनी आयु के अनुसार उचित पाठ्यक्रम में शामिल होने के लिए उनको अंग्रेजी भाषा के लिए सहायता की ज़रूरत होती है।

अन्य भाषायें या उपभाषायें बोलने वाले सभी विद्यार्थी ईएएल/डी के विद्यार्थी नहीं होते क्योंकि हो सकता है कि विद्यालय के पाठ्यक्रम में प्रभावशाली ढंग से हिस्सा लेने के लिए उनकी अंग्रेजी में कुशलता पर्याप्त हो।

ईएएल/डी के विद्यार्थियों में ऑस्ट्रेलिया में जन्में और उन परिवारों में पले-बढ़े विद्यार्थी भी शामिल हो सकते हैं जिनमें अंग्रेजी के अलावा कोई दूसरी भाषा या उपभाषा बोली जाती है, जैसे कि एबोरीजनल और टोरस स्टेट आईलैंड के विद्यार्थी या प्रवासियों (माइग्रेंट्स) के बच्चे। जिन विद्यार्थियों ने ऑस्ट्रेलिया से बाहर के देशों में जन्म लिया है उनमें शामिल हैं मानवीय आधार पर प्रवेश पाने वाले, अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी तथा प्रवासी (माइग्रेंट्स)।

जिन ईएएल/डी विद्यार्थियों को सहायता की ज़रूरत है उनकी पहचान करना

विद्यालयों द्वारा ईएएल/डी विद्यार्थियों की पहचान या तो नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से या फिर कक्षाओं में निरंतर चलने वाली प्रक्रियाओं के माध्यम से की जाती है।

नामांकन प्रक्रिया के दौरान, विद्यालयों द्वारा इस बारे में अधिकाधिक संबंधित जानकारी एकत्रित की जाती है कि विद्यार्थी की कुशलता की मुख्य भाषा कौनसी है। इस प्रक्रिया से तुरंत ही कुछ विद्यार्थियों की पहचान ईएएल/डी विद्यार्थियों के रूप में कर ली जाती है।

अन्य ईएएल/डी विद्यार्थियों की पहचान कक्षा में उनके सीखने के तरीके और भाषा के उपयोग के द्वारा ही की जा सकती है। कक्षाध्यापकों द्वारा ईएएल/डी विद्यार्थियों की पहचान विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों, लेखन और उनके साथ साक्षात्कारों/ बैठकों सहित विद्यार्थियों द्वारा किये गये कार्यों के नमूनों के अवलोकन और विश्लेषण के माध्यम से की जाती है।

ईएएल/डी विद्यार्थियों की सहायता करना

ईएएल/डी विद्यार्थियों को कक्षा में सफलतापूर्वक ज्ञानार्जन के लिए अपनी भाषाई बुनियाद का निर्माण करने हेतु विशेष तरीकों से शिक्षण लेने की आवश्यकता होती है और विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों की ज़रूरतों के हिसाब से सहायता प्रदान की जाती है। अध्यापकों द्वारा बैडस्केल्स स्टेट स्कूल्स (क्रीसलैण्ड) का उपयोग करके उन विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा में कुशलता का स्तर निर्धारित किया जाता है, और कक्षा के संदर्भ में विद्यार्थियों की विशेष भाषाई ज़रूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा प्रदान की जाती है।

किसी ईएएल/डी विद्यार्थी को उसकी अंग्रेजी भाषा में, सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने में तथा विद्यालय के संदर्भ में, कुशलता के स्तर के आधार पर, किस प्रकार की सहायता प्रदान की जायेगी यह निर्णय विद्यालय द्वारा लिया जाता है।

ईएएल/डी विद्यार्थियों को उनकी आयु के आधार पर ऑस्ट्रेलियन पाठ्यक्रम सिखाया जाता है और अध्यापकों द्वारा ईएएल/डी विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए विभिन्न प्रकार के तरीके अपनाये जाते हैं।

आकलन तथा रिपोर्ट तैयार करना

ईएएल/डी विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की विषय-सामग्री सीखने को मिलती है और साथ ही वे अंग्रेजी भी सीखते हैं। विद्यार्थियों को विषय-सामग्री समझ में आ जाये यह सुनिश्चित करने के लिए अध्यापकों द्वारा, विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा में कुशलता के अनुकूल, आकलन योग्य कार्य दिये जाते हैं। विद्यार्थियों की अंग्रेजी भाषा में कुशलता के आधार पर, दिये जाने वाले कार्यों में भाषा संबंधी काम कम किये जा सकते हैं, जिससे विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की किसी विशेष विषय-सामग्री की अपनी समझ को दर्शाने पर ध्यान देने का अवसर मिलता है। उदाहरण के लिए, जिन विद्यार्थियों ने कुछ समय पहले ही अंग्रेजी सीखना शुरू किया है वे विषय-सामग्री की अपनी समझ को चित्रों, रेखाचित्रों, किसी भूमिका या व्याख्यान के माध्यम से प्रकट कर सकते हैं।

विद्यार्थियों ने जिस कक्षा के स्तर का पाठ्यक्रम सीखा था उस कक्षा के उपलब्धि मानदण्ड के अनुसार उनका आकलन किया जाता है और रिपोर्ट बनाई जाती है, लेकिन, ऐसे ईएएल/डी विद्यार्थी जिनको ऑस्ट्रेलिया में स्कूल जाते हुए पहली बार 12 महीने पूरे नहीं हुए हैं उनको इससे छूट दी जा सकती है। इन विद्यार्थियों की रिपोर्ट्स में, बैडस्केल्स स्टेट स्कूल्स (क्रीसलैण्ड) के हिसाब से अंग्रेजी भाषा में इनकी कुशलता के बारे में, और साथ ही अगर उचित हो तो, ऑस्ट्रेलियन पाठ्यक्रम के ज्ञानार्जन क्षेत्रों में इनकी उपलब्धियों के बारे में बताता एक लिखित वक्तव्य शामिल होता है।